राष्ट्रीय सहारा

कानपुर • मंगलवार • 5 सितम्बर • 2023

सेंसर आधारित कृषि उपकरणों से किसानों को मिलेगा लाभ

कानपुर (एसएनबी)। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिक विश्वविद्यालय में पहुंची जापानी कंपनी की टीम ने कहा कि सेंसर आधारित कृषि उपकरणों से प्रदेश के किसानों को लाभ मिलेगा। जापानी कंपनी के अधिकारियों व तकनीकी विशेषज्ञों ने कहा कि जल्द ही सेंसर युक्त कृषि उपकरणों का लाभ प्रदेश के किसानों को भी मिलेगा। साथ ही सीएसए व जापान के तमागावा विश्वविद्यालय के बीच शिक्षा, शोध व प्रसार में सहयोग को लेकर मिलकर काम करने पर भी सहमति जताई गयी।

सीएसए में आये जापानी कंपनी तकनीकी विशेषज्ञ

जापान के तामागावा विश्वविद्यालय और चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के बीच होने वाले अनुबंध पत्र के प्रारूप, सेवा शर्तें और इससे जुड़े अन्य विषयों पर अपना प्रस्तुतिकरण दिया। इस मौके पर टोक्यो स्थित इंजीनियरिंग मेकाट्रॉनिक्स कंट्रोल सिस्टम कंपनी के असिस्टेंट मैनेजर मासाकी कवासाकी ने कृषि उपकरणों, प्रमुख रूप से ट्रैक्टर आदि के बारे में अवगत कराया। उन्होंने बताया कि जापान में काफी अधिक मात्रा में ट्रैक्टर जुताई, सिंचाई, बुवाई आदि सेंसर आधारित मशीनों के आधार पर किया जा रहा है। इससे कार्य करने की दक्षता में काफी वृद्धि हो रही है। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत की। उन्होंने दोनों विश्वविद्यालयों के बीच शोध विभिन्न प्रकार के क्रियाकलापों को बढ़ावा देने पर जोर दिया। साथ ही ऑनलाइन मीटिंग के माध्यम से शिक्षण कार्य और संकाय सदस्यों के अनुभव साझा करने पर जोर दिया। उन्होंने बताया कि जापानी परियोजना के कार्य के लिये जापान और उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जल्द ही विश्वविद्यालय को नोडल केन्द्र बनाया जायेगा। डॉ. विजय कुमार यादव ने सेंसर आधारित ट्रैक्टर और अन्य कृषि उपकरणों को जापानी कंपनी द्वारा विश्वविद्यालय स्तर पर प्रदर्शित कराने का अनुरोध किया गया। उन्होंने कहा कि ऐसा करने से प्रदेश के किसानों को जल्द ही इसका लाभ मिल सकेगा। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के और सुरक्षात्मक निरीक्षण के लिये सेंसर आधारित मशीनों के विकास पर जोर दिया। इस मौके पर डॉ. आरके यादव, डॉ. पीके सिंह, डॉ. एसीकावा कोजी, कजुयुकी कावामोतो आदि थे।

कानपुर व लखनऊ से एक साथ प्रकाशित वर्ष: 15 अंक : 67 कानपुर, मंगलवार 05 सितम्बर 2023 नगर संस्करण पृष्ठ 12 मूल्य: 2.00 रुपए

राष्ट्रीय स्वरूप

सेंसर आधारित कृषि उपकरणों से प्रदेश के किसानों को मिलेगा लाभ

कानपुर । सीएसए के साथ द्वितीय अंगीकृत मीटिंग में तामागावी विश्वविद्यालय जापान के शिक्षा, शोध, प्रसार एवं यंत्रीकरण आदि के बारे में विस्तार से चर्चा हुई। इस अवसर पर टोक्यो स्थित इंजीनियरिंग सेक्शन कंट्रोल सिस्टम कंपनी के असिस्टेंट मैनेजर सतोशी मेगामती ने कृषि उपकरणों मुख्यत: ट्रैक्टर आदि के बारे में अवगत कराया कि अब जापान में काफी अधिक ट्रैक्टर जुताई, निराई, गुड़ाई आदि सेंसर आधारित स्टेरिंग के आधार पर किया जा रहा है। जिससे कार्य करने की दक्षता में काफी वृद्धि हो रही है। इसके साथ ही जापान में कृषि एवं वानिकी विभाग की सलाहकार डॉ सुशील यामामोटो ने दोनों विश्वविद्यालयों के मध्य होने वाले अनुबंध प्रपत्र के प्रारूप, सेवा शर्तें एवं इससे आच्छादित विषयों पर अपना प्रस्तुतिकरण दिया। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने सभी आगंतुकों का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया तथा इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत की एवं दोनों विश्वविद्यालयों के मध्य शीघ्र विभिन्न प्रकार की क्रियाकलापों को बढ़ावा देने पर जोर दिया। उन्होंने ऑनलाइन मीटिंग के माध्यम से शिक्षण कार्य और संकाय सदस्यों के अनुभव साझा करने हेतु वर्चुअल मीटिंग शीघ्र ही प्रारंभ करने पर जोर दिया। फॉर्म मॉड्यूल जापानी परियोजना के कार्य को जापान एवं उत्तर प्रदेश

सरकार द्वारा जल्द ही विश्वविद्यालय को नोडल केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। इस अवसर पर निदेशक शोध डॉ पीके सिंह ने पिछली मीटिंग की कार्यवृत्ति को प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय के निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ विजय कुमार यादव ने सेंसर आधारित ट्रैक्टर एवं अन्य कृषि उपकरणों को जापानी कंपनी द्वारा विश्वविद्यालय स्तर पर प्रदर्शित करवाने का अनुरोध किया जिससे कि प्रदेश के किसानों को इन उपकरणों का लाभ शीघ्र मिल सके और पर्यावरण संरक्षण हेतु खरपतवार नियंत्रण के लिए सेंसर आधारित मशीनों के विकास पर प्रमुख जोर दिया इस अवसर पर निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव ने जापानी कंपनी द्वारा विकसित तकनीक एवं कृषि उपकरणों को कृषि विज्ञान केन्द्रों पर उनके प्रयोग के लिए कहा जिससे प्रदेश के किसानों को इस तकनीकी का अधिक से अधिक लाभ प्राप्त हो। इस अवसर पर जापान से आए डॉक्टर एसीकावा कोजी प्रोफेसर ऑफ एग्रीकल्चर, डिपार्टमेंट ऑफ़ एनवायरमेंटल साइंस यूनिवर्सिटी ऑफ तामागावा एवं मिस्टर क्यूयुकी वातनावे जनरल मैनेजर सेंसर कंट्रोल सिस्टम एवं कम्युनिकेशन कंपनी टोक्यो भी उपस्थित रहे।

सेंसर आधारित कृषि उपकरणों से प्रदेश के किसानों को मिलेगा लाभ

दैनिक कानपुर उजाला

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के साथ आज द्वितीय अंगीकृत मीटिंग में तामागावी विश्वविद्यालय जापान के शिक्षा,शोध, प्रसार एवं यंत्रीकरण आदि के बारे में विस्तार से चर्चा हुई। इस अवसर पर टोक्यो स्थित इंजीनियरिंग सेक्शन कंट्रोल सिस्टम कंपनी के असिस्टेंट मैनेजर सतोशी मेगामती ने कृषि उपकरणों मुख्यतः ट्रैक्टर आदि के बारे में अवगत कराया कि अब जापान में काफी अधिक ट्रैक्टर जुताई,निराई, गुड़ाई आदि सेंसर आधारित स्टेरिंग के आधार पर किया जा रहा है। जिससे कार्य करने की दक्षता में काफी वृद्धि हो रही है। इसके साथ ही जापान में कृषि एवं वानिकी विभाग की सलाहकार डॉ सुशील यामामोटो ने दोनों विश्वविद्यालयों के मध्य होने वाले अनुबंध प्रपत्र के प्रारूप, सेवा शर्तें एवं इससे आच्छादित विषयों पर अपना प्रस्तुतिकरण दिया। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने सभी आगंतुकों का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया तथा इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत की एवं दोनों विश्वविद्यालयों के मध्य शीघ्र विभिन्न प्रकार की क्रियाकलापों को बढ़ावा देने पर जोर दिया उन्होंने ऑनलाइन मीटिंग के माध्यम से शिक्षण कार्य और संकाय सदस्यों के अनुभव साझा करने हेतु वर्चुअल मीटिंग शीघ्र ही प्रारंभ करने पर जोर दिया। फॉर्म मॉड्यूल जापानी परियोजना के कार्य को जापान एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जल्द ही विश्वविद्यालय को नोडल केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। इस अवसर पर निदेशक शोध डॉ पीके सिंह ने पिछली मीटिंग की कार्यब्रत्ति को प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय के निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ विजय कुमार यादव ने सेंसर आधारित ट्रैक्टर एवं अन्य कृषि उपकरणों को जापानी कंपनी द्वारा विश्वविद्यालय स्तर पर प्रदर्शित करवाने का अनुरोध किया।जिससे कि प्रदेश के किसानों को इन उपकरणों का लाभ शीघ्र मिल सके और पर्यावरण संरक्षण हेतु खरपतवार नियंत्रण के लिए सेंसर आधारित मशीनों के विकास पर प्रमुख जोर दिया।इस अवसर पर निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव ने जापानी कंपनी द्वारा विकसित तकनीक एवं कृषि उपकरणों को कृषि विज्ञान केन्द्रों पर उनके प्रयोग के लिए कहा जिससे प्रदेश के किसानों को इस तकनीकी का अधिक से अधिक लाभ प्राप्त हो। इस अवसर पर जापान से आए डॉक्टर एसीकावा कोजी प्रोफेसर ऑफ एग्रीकल्चर, डिपार्टमेंट ऑफ़ एनवायरमेंटल साइंस यूनिवर्सिटी ऑफ तामागावा एवं मिस्टर क्यूयुकी वातनावे जनरल मैनेजर सेंसर कंट्रोल सिस्टम एवं कम्युनिकेशन कंपनी टोक्यो भी उपस्थित रहे।

रहस्य संदेश

RNI. NO. UPHIN/2007/20715

43 लखनऊ एंव एटा से प्रकाशित, मंगलवार, 05 सितम्बर, 2023 पृष्ठः 8 मूल्य

सेंसर आधारित कृषि उपकरणों से प्रदेश के किसानों को मिलेगा लाभ

अनवर अशरफ । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के साथ आज द्वितीय अंगीकृत मीटिंग में तामागावी विश्वविद्यालय

जापान के शिक्षा,शोध, प्रसार एवं यंत्रीकरण आदि के बारे में विस्तार से चर्चा हुई। इस अवसर पर टोक्यो स्थित इंजीनियरिंग सेक्शन कंट्रोल सिस्टम कंपनी के असिस्टेंट मैनेजर सतोशी मेगामती ने कृषि उपकरणों मुख्यतः ट्रैक्टर आदि के बारे में अवगत कराया कि अब जापान में काफी अधिक ट्रैक्टर जुताई,निराई, गुड़ाई आदि सेंसर आधारित स्टेरिंग के आधार पर किया जा रहा है। जिससे कार्य करने की दक्षता में काफी वृद्धि हो रही है। इसके साथ ही जापान में कृषि एवं वानिकी विभाग की सलाहकार डॉ सुशील यामामोटो ने दोनों विश्वविद्यालयों के मध्य होने वाले अनुबंध प्रपत्र के प्रारूप, सेवा शर्तें एवं इससे आच्छादित विषयों पर अपना प्रस्तुतिकरण दिया। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने सभी आगंतुकों का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया तथा इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत की एवं दोनों विश्वविद्यालयों के मध्य शीघ्र विभिन्न प्रकार की क्रियाकलापों को बढ़ावा देने पर जोर दिया उन्होंने ऑनलाइन मीटिंग के माध्यम से शिक्षण कार्य और संकाय सदस्यों के अनुभव साझा करने हेतु वर्चुअल मीटिंग शीघ्र ही प्रारंभ करने पर जोर दिया। फॉर्म मॉड्यूल जापानी परियोजना के कार्य को जापान एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जल्द ही विश्वविद्यालय को नोडल केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। इस अवसर पर निदेशक शोध डॉ पीके सिंह ने पिछली मीटिंग की कार्यब्रत्ति को प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय के निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ विजय कुमार यादव ने सेंसर आधारित ट्रैक्टर एवं अन्य कृषि उपकरणों को जापानी कंपनी द्वारा विश्वविद्यालय स्तर पर प्रदर्शित करवाने का अनुरोध किया।जिससे कि प्रदेश के किसानों को इन उपकरणों का लाभ शीघ्र मिल सके और पर्यावरण संरक्षण हेतु खरपतवार नियंत्रण के लिए सेंसर आधारित मशीनों के विकास पर प्रमुख जोर दिया।इस अवसर पर निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव ने जापानी कंपनी द्वारा विकसित तकनीक एवं कृषि उपकरणों को कृषि विज्ञान केन्द्रों पर उनके प्रयोग के लिए कहा जिससे प्रदेश के किसानों को इस तकनीकी का अधिक से अधिक लाभ प्राप्त हो। इस अवसर पर जापान से आए डॉक्टर एसीकावा कोजी प्रोफेसर ऑफ एग्रीकल्चर,डिपार्टमेंट ऑफ एनवायरमेंटल साइंस यूनिवर्सिटी ऑफ तामागावा एवं मिस्टर क्यूयुकी वातनावे जनरल मैनेजर सेंसर कंट्रोल सिस्टम एवं कम्युनिकेशन कंपनी टोक्यो भी उपस्थित रहे।

हिन्दी दैनिक

समाज का साथी

कानपुर नगर से प्रकाशित

अंक: 4 | कानपुर, मंगलवार 05 सितंबर-2023 | पृष्ठ -8

सेंसर आधारित कृषि उपकरणों से प्रदेश के किसानों को मिलेगा लाभ

नगर प्रतिनिधि

कानपुर। सीएसए के साथ द्वितीय अंगीकृत मीटिंग में तामागावी विश्वविद्यालय जापान के शिक्षा, शोध, प्रसार एवं यंत्रीकरण आदि के बारे में विस्तार से चर्चा हुई। इस अवसर पर टोक्यो स्थित इंजीनियरिंग सेक्शन कंट्रोल सिस्टम कंपनी के असिस्टेंट मैनेजर सतोशी मेगामती ने कृषि उपकरणों मुख्यत: ट्रैक्टर आदि के बारे में अवगत कराया कि अब जापान में काफी अधिक ट्रैक्टर जुताई, निराई, गुड़ाई आदि सेंसर आधारित स्टेरिंग के आधार पर किया जा रहा है। जिससे कार्य करने की दक्षता में काफी वृद्धि हो रही है। इसके साथ ही जापान में कृषि एवं वानिकी विभाग की सलाहकार डॉ सुशील यामामोटो ने दोनों विश्वविद्यालयों के मध्य होने वाले अनुबंध प्रपत्र के प्रारूप, सेवा शर्तें एवं इससे आच्छादित विषयों पर अपना प्रस्तुतिकरण दिया। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने सभी आगंतुकों का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया तथा इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत की एवं दोनों विश्वविद्यालयों के मध्य शीघ्र विभिन्न प्रकार की क्रियाकलापों को बढ़ावा देने पर जोर दिया।

उन्होंने ऑनलाइन मीटिंग के माध्यम से शिक्षण कार्य और संकाय सदस्यों के अनुभव साझा करने हेतु वर्चुअल मीटिंग शीघ्र ही प्रारंभ करने पर जोर दिया। फॉर्म मॉड्यूल जापानी परियोजना के कार्य को जापान एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जल्द ही विश्वविद्यालय को नोडल केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। इस अवसर पर निदेशक शोध डॉ पीके सिंह ने पिछली मीटिंग की कार्यब्रत्ति

को प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय के निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ विजय कुमार यादव ने सेंसर आधारित ट्रैक्टर एवं अन्य कृषि उपकरणों को जापानी कंपनी द्वारा विश्वविद्यालय स्तर पर प्रदर्शित करवाने का अनुरोध किया ।जिससे कि प्रदेश के किसानों को इन उपकरणों का लाभ शीघ्र मिल सके और पर्यावरण संरक्षण हेतु खरपतवार नियंत्रण के लिए सेंसर आधारित मशीनों के विकास पर प्रमुख जोर दिया ।इस अवसर पर निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव ने जापानी कंपनी द्वारा विकसित तकनीक एवं कृषि उपकरणों को कृषि विज्ञान केन्द्रों पर उनके प्रयोग के लिए कहा जिससे प्रदेश के किसानों को इस तकनीकी का अधिक से अधिक लाभ प्राप्त हो। इस अवसर पर जापान से आए डॉक्टर एसीकावा कोजी प्रोफेसर ऑफ एग्रीकल्चर, डिपार्टमेंट ऑफ़ एनवायरमेंटल साइंस यूनिवर्सिटी ऑफ तामागावा एवं मिस्टर क्यूयुकी वातनावे जनरल मैनेजर सेंसर कंट्रोल सिस्टम एवं कम्युनिकेशन कंपनी टोक्यो भी उपस्थित रहे।

दैनिक जागरण आई नेक्स्ट 05/09/2023

जापान में सेंसर वाले ट्रैक्टर से हो रही एडवांस फार्मिंग

सीएसए में तामागावी यूनिवर्सिटी जापान के डेलीगेट्स संग हुआ डिस्कशन

kanpur@inext.co.in

KANPUR (4 Sept): चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में मंडे को तामागावी यूनिवर्सिटी जापान के डेलीगेट्स के साथ एजूकेशन, रिसर्च, एक्सटेंशन और इनोवेशन को लेकर डिस्कशन हुआ. टोक्यो स्थित इंजीनियरिंग सेक्शन कंट्रोल सिस्टम कंपनी के असिस्टेंट मैनेजर संतोषी मेगामती ने बताया कि अब जापान में जुताई, निराई, गुड़ाई के काम को सेंसर वाले ट्रैक्टर से किया जा रहा है.

जापान में कृषि एवं वानिकी विभाग की सलाहकार डॉ सुशील यामामोटो ने दोनों यूनिवर्सिटी के बीच होने वाले एमओयू के प्रारूप, सेवा और शर्तों आदि पर अपना प्रेजेंटेशन दिया. सीएसए वीसी डॉ आनंद कुमार सिंह ने ऑनलाइन मीटिंग के माध्यम से शिक्षण कार्य और संकाय सदस्यों के अनुभव साझा करने हेतु वर्चुअल मीटिंग शीघ्र ही प्रारंभ करने पर जोर दिया. बताया कि फॉर्म मॉड्यूल जापानी परियोजना के कार्य को जापान एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जल्द ही सीएसए को नोडल सेंटर के रूप में डेवलप किया जाएगा. इस मौके पर डॉ. पीके सिंह, डॉ. विजय कुमार यादव, डॉक्टर एसीकावा कोजी, आदि मौजूद रहे.

PIC: DAINIK JAGRAN INEXT

सीएसए पहुंचा जापान से आया डेलीगेशन.

Sign in to edit and save changes to this file.

अंक-179 कानपुर, मंगलवार 5 सितंबर 2023 पृष्ठ-8

दैनिक
आज का कानपुर

सेंसर आधारित कृषि उपकरणों से प्रदेश के किसानों को मिलेगा लाभ

आज का कानपुर

कानपुर । चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के साथ आज द्वितीय अंगीकृत मीटिंग में तामागावी विश्वविद्यालय जापान के शिक्षा,शोध, प्रसार एवं यंत्रीकरण आदि के बारे में विस्तार से चर्चा हुई। इस अवसर पर टोक्यो स्थित इंजीनियरिंग सेक्शन कंट्रोल सिस्टम कंपनी के असिस्टेंट मैनेजर सतोशी मेगामती ने कृषि उपकरणों मुख्यत: ट्रैक्टर आदि के बारे में अवगत कराया कि अब जापान में काफी अधिक ट्रैक्टर जुताई,निराई, गुड़ाई आदि सेंसर आधारित स्टेरिंग के आधार पर किया जा रहा है। जिससे कार्य करने की दक्षता में काफी वृद्धि हो रही है। इसके साथ ही जापान में कृषि एवं वानिकी विभाग की सलाहकार डॉ सुशील यामामोटो ने दोनों विश्वविद्यालयों के मध्य होने वाले अनुबंध प्रपत्र के प्रारूप, सेवा शर्तें एवं इससे आच्छादित विषयों पर अपना प्रस्तुतिकरण दिया। विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह ने सभी आगंतुकों का पुष्प गुच्छ देकर स्वागत किया तथा इस अवसर पर उन्होंने विश्वविद्यालय की प्रगति आख्या प्रस्तुत की एवं दोनों विश्वविद्यालयों के मध्य शीघ्र विभिन्न प्रकार की क्रियाकलापों को बढ़ावा देने पर जोर दिया उन्होंने ऑनलाइन मीटिंग के माध्यम से शिक्षण कार्य और संकाय सदस्यों के अनुभव साझा करने हेतु वर्चुअल मीटिंग शीघ्र ही प्रारंभ करने पर जोर दिया। फॉर्म मॉड्यूल जापानी परियोजना के कार्य को जापान एवं उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा जल्द ही विश्वविद्यालय को नोडल केंद्र के रूप में विकसित किया जाएगा। इस अवसर पर निदेशक शोध डॉ पीके सिंह ने पिछली मीटिंग की कार्यब्रत्ति को प्रस्तुत किया। विश्वविद्यालय के निदेशक बीज एवं प्रक्षेत्र डॉ विजय कुमार यादव ने सेंसर आधारित ट्रैक्टर एवं अन्य कृषि उपकरणों को जापानी कंपनी द्वारा विश्वविद्यालय स्तर पर प्रदर्शित करवाने का अनुरोध किया जिससे कि प्रदेश के किसानों को इन उपकरणों का लाभ शीघ्र मिल सके और पर्यावरण संरक्षण हेतु खरपतवार नियंत्रण के लिए सेंसर आधारित मशीनों के विकास पर प्रमुख जोर दिया।

इस अवसर पर निदेशक प्रसार डॉक्टर आरके यादव ने जापानी कंपनी द्वारा विकसित तकनीक एवं कृषि उपकरणों को कृषि विज्ञान केन्द्रों पर उनके प्रयोग के लिए कहा जिससे प्रदेश के किसानों को इस तकनीकी का अधिक से अधिक लाभ प्राप्त हो। इस अवसर पर जापान से आए डॉक्टर एसीकावा कोजी प्रोफेसर ऑफ एग्रीकल्चर,डिपार्टमेंट ऑफ़ एनवायरमेंटल साइंस यूनिवर्सिटी ऑफ तामागावा एवं मिस्टर क्यूयुकी वातनावे जनरल मैनेजर सेंसर कंट्रोल सिस्टम एवं कम्युनिकेशन कंपनी टोक्यो भी उपस्थित रहे।

न्यूज डायरी

अमर उजाला 05/09/2023

सीएसए में स्थापित होगा जापान और यूपी का संयुक्त तकनीक का सेंटर

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय (सीएसए) में जापान व उप्र का संयुक्त तकनीक का सेंटर बनाया जाएगा इससे जापान की अत्याधुनिक सेंसर युक्त उपकरण से पैदावार में इजाफा होगा। उप्र व जापान मिलकर संयुक्त रूप से तकनीक पर काम करेंगे। इसके लिए यह बात विवि के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने सोमवार को जापान के प्रतिनिधि मंडल के साथ हुई बैठक में कही।

जापान के टोक्यो स्थित इंजीनियरिंग सेक्शन कंट्रोल सिस्टम के असिस्टेंट मैनेजर सतोशी मेगामती ने सेंसर युक्त ट्रैक्टर समेत अन्य कृषि उपकरणों के बारे में जानकारी दी। कहा, अब ट्रैक्टर जुताई, निराई, गुड़ाई समेत सभी काम कर रहा है। विवि के निदेशक शोध डॉ. पीके सिंह, बीज एवं प्रक्षेत्र के निदेशख डॉ. विजय कुमार यादव ने किसानों की समस्या को लेकर जानकारी दी। (ब्यूरो)

दैनिक जागरण 05/09/2023

सेंसर से चलेगा ट्रैक्टर निराई-गुड़ाई भी करेगा

जासं, कानपुर : जापान में बने सेंसर आधारित ट्रैक्टर की मदद से खेत में जोताई, निराई और गुड़ाई भी की जा सकेगी। जापान सरकार के प्रतिनिधिमंडल ने सोमवार को चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति और शिक्षकों को इसकी जानकारी दी है। कंपनी अपना ट्रैक्टर भी लेकर यहां आएगी।

जापान के प्रतिनिधिमंडल में तामागावी विश्वविद्यालय जापान और टोक्यो स्थित इंजीनियरिंग सेक्शन कंट्रोल सिस्टम कंपनी के अधिकारियों ने सीएसए कुलपति डा. आनंद कुमार सिंह और शिक्षकों को बताया कि जापान में सेंसर आधारित ट्रैक्टर की मदद से जुताई, निराई, गुड़ाई का काम किया जा रहा है। कुलपति ने दोनों विश्वविद्यालयों के बीच विभिन्न प्रकार की गतिविधियों को बढ़ाने पर जोर दिया। निदेशक शोध डा. पीके सिंह, डा. विजय यादव, डा. आरके यादव, प्रो. डा. एसीकावा कोजी, क्यूयुकी वातनावे उपस्थित रहे।

दैनिक जागरण कानपुर 06/09/2023

सीएसए में 21 विज्ञानियों का हुआ सम्मान

कानपुर : चन्द्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के प्रसार निदेशालय की ओर से मंगलवार को चन्द्र शेखर कृषक समिति का 39 वां स्थापना दिवस मनाया गया। कुलपति डा. आनंद कुमार सिंह ने विश्वविद्यालय के 21 विज्ञानियों को प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित भी किया। डा. आरके यादव, डा. सीएल मौर्य, डा. पीके सिंह, डा. विजय यादव, डा. पीके राठी, डा. अनिल सिंह, सोहनलाल वर्मा मौजूद रहे। जासं

हिंदुस्तान कानपुर,05/09/2023

उप्र व जापान की तकनीक का सेंटर बनेगा सीएसए

कानपुर, प्रमुख संवाददाता। जापान की अत्याधुनिक सेंसर युक्त उपकरण से पैदावार में इजाफा होगा। इसके लिए जल्द ही उप्र व जापान मिलकर संयुक्त रूप से तकनीक पर काम करेंगे। इसके लिए चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में जापान व उप्र का संयुक्त तकनीक का सेंटर बनाया जाएगा। यह बात विवि के कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह ने कही।

विवि में सोमवार को जापान के एक डेलीगेट्स ने कुलपति संग बैठक की। कुलपति ने बताया कि शिक्षा, शोध, प्रसार लव यंत्रीकरण पर मंथन हुआ है। जापान के टोक्यो स्थित इंजीनियरिंग सेक्शन कंट्रोल सिस्टम के असिस्टेंट मैनेजर सतोशी मेगामती ने सेंसर युक्त ट्रैक्टर समेत अन्य कृषि उपकरणों के बारे में जानकारी दी। कहा, अब ट्रैक्टर जुताई, निराई, गुड़ाई समेत सभी काम कर रहा है। जापान में कृषि एवं वानिकी विभाग की सलाहकार डॉ. सुशील यामामोटो ने दोनों विवि के शिक्षा संबंधों को लेकर चर्चा की। विवि के निदेशक शोध डॉ. पीके सिंह, बीज एवं प्रक्षेत्र के निदेशख डॉ. विजय कुमार यादव ने किसानों की समस्या को लेकर जानकारी दी। इस मौके पर जापान से आए डॉ. एसीकावा कोजी, क्यूयुकी वातनावे आदि मौजूद रहे।